पी. जी. डी. आई. बी.ओ.

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचलन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
पी. जी. डी. आई. बी.ओ.

सत्रीय कार्य

आई बी ओ - 01 से आई बी ओ - 06 तक

2019 . 20

जनवरी 2019 तथा जुलाई 2019 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विधायपीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 1100 68

सत्रीय कार्य - 2018 - 19

प्रिय छात्र / छात्राओं

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया हैए इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूचि के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यो को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य ककको करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिक में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लेए जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात **(जनवरी 2019 और जुलाई 2019)** के लिए वैध हैए इसकी वैधता निम्नलिखित है :-

1 जो **जनवरी** 2019 में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसम्बर** 2019 तक है।

2 जो **जुलाई** 2019 में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून** 2020 तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 15 मार्च तक अवश्य जमा कर दें ।

यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक हैं कि आप इन्हें 15 सितम्बर तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें ।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ.-01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ.-01 / टी. एम. ए. / 2019 - 20**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिएI **अधिकतम अंक : 100**

1. व्यापार का आंशिक साम्य का सिद्धांत का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए I **(20)**

2. फर्म पराराष्ट्रीय क्यों होती है ? विश्व अर्थव्यवस्था में पराराष्ट्रीय निगम के उद्गमन के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए I **(8+12)**

3. प्राथमिक उत्पादों की मांग को प्रभावित करने वाले दीर्घकालीन कारक कौन-से हैं ? वर्णन कीजिए और प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद समझौतों की व्याख्या कीजिए I **(6+14)**

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ कीजिए I

(क) जनसांख्यकीय परिवेश अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय निर्णयों को प्रभावित नहीं करता है I

(ख) प्रौधोगिकी बाज़ार विक्रेता का बाज़ार नहीं है I

(ग) अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में संलग्न पार्टियां विवाचन को प्राथमिकता नहीं देती है I

(घ) इनिक्रप्शन आंकड़ों को दुरूह रूप में परिवर्तित नहीं करता है I **(5X4)**

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए I

(क) व्यापार की शर्तें

(ख) युक्तिपूर्ण सहयोग तथा प्रौधोगिकी हस्तांतरण

(ग) निहित शर्तें

(घ) उपयोगितावाद **(5X4)**

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ.-02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अन्तर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ.-02 / टी. एम. ए. / 2019 - 20**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिएI **अधिकतम अंक : 100**

1. (A) निम्नलखित में अंतर कीजिए I **(2X5)**

   (क) बहुराष्ट्रीय विपणन और वैश्विक विपणन

   (ख) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन सुचना प्रणाली और अन्तर्राष्ट्रीय विपणन शोध

   (B) निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए **(2X5)**

   (क) सुचना तकनीक के विकास का अन्तर्राष्ट्रीय विपणन पर प्रभाव

   (ख) अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञापन का मानकीकरण

2. अन्तर्राष्ट्रीय विपणन प्रक्रिया में सम्मिलित पदों की व्याख्या कीजिए I **(20)**

3. एक भारतीय आटो सहायक कंपनी विदेशी बाजार में उत्पादन और विपणन में पूर्ण गिरवी निवेश के साथ प्रवेश निर्णय लेती है I कंपनी के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रवेश तरीकों की व्याख्या कीजिए एवं किस स्थिति में प्रत्येक उपयुक्त होगी इसका मूल्यांकन कीजिए I **(20)**

4. उत्पाद जीवन चक्र के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए I उत्पाद जीवन चक्र बढ़ाने की तकनीकों का वर्णन कीजिए I **(12+8)**

5. अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञापन बजट के विभिन्न दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए I **(20)**

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ.-03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**भारत का विदेश व्यापार**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ.-03 / टी. एम. ए. / 2019 - 20**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिएI **अधिकतम अंक : 100**

1. विश्व व्यापार के प्रमुख विषयों की व्याख्या कीजिए I भारत को विश्व व्यापार के साथ जोड़ने के लिए अपनी अपनाई गई रणनीति का संक्षिप्त वर्णन कीजिए I **(10+10)**

2. भारत के प्रभावी निर्यात संवर्धन में आने वाली बाधाओं का संक्षिप्त में वर्णन दीजिए I विभिन्न संगठन इन बाधाओं को दूर करने क लिए लिए किस प्रकार प्रयास कर रहे हैं ? **(10+10)**

3. भारत से रत्न और आभूषण और दस्तकारी के निर्यात का चित्रण कीजिए I इस क्षेत्र में भारत के लिए कौन सी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ तथा हानियाँ हैं ? **(10+10)**

4. सेवाओं की परिभाषा दीजिए I भारत द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सेवाओं के निर्यात पर प्रकाश डालिए I **(5+15)**

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए :
   (क) भुगतान शेष
   (ख) विश्व व्यापार में अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका
   (ग) भारत - संयुक्त राष्ट्र अमेरिका व्यवसाय पूर्वेक्षण
   (घ) भारत - सार्क व्यापार **(5X4)**

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी. ओ.-04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**निर्यात - आयत प्रक्रिया तथा प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई. बी. ओ.-04 / टी. एम. ए. / 2019 - 20**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **अधिकतम अंक : 100**

1. भारत सरकार को विदेशी व्यापार नीति का क्या उद्देश्य है ? निर्यात संबंधी सामान्य प्रावधानों का वर्णन कीजिए| **(5+15)**

2. पोत लदान पूर्व वित्त और पोत लदानोत्तर वित्त में अंतर लिखिए । भारतीय निर्यातकों को उपलब्ध विभिन्न पोत लदानोत्तर वित्त का वर्णन कीजिए । **(6+14)**

3. निम्नलिखित में अंतर लिखिए ।

(क) लाइनर जहाजी सेवाएँ और ट्रैम्प जहाजी सेवाएँ

(ख) कुल हानि और विशिष्ट हानि **(10X2)**

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ कीजिए । **(5X4)**

(क) प्राथमिक औपचरिकताएँ इसीलिए आवश्यक नहीं है कि आयातकर्ता अनुबंधित माल की सुर्पुदगी ले सके तथा निर्यातकर्त्ता उनका मूल्य वसूल कर सके और निर्यात प्रोत्साहन प्राप्त कर सके ।

(ख) भुगतान पर प्रलेखों की सुपुर्दगी और स्वीकृति पर प्रलेखों की सुपुर्दगी में कोई अंतर नहीं है ।

(ग) बीमा अनुबंध क्षतिपूर्ति की प्रकृति का नहीं होता है ।

(घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की छूट / वापसी के लिए निर्यातकर्त्ता द्वारा स्वयं मुद्रांकन प्रमाणीकरण की सुविधा नहीं दी जाती है ।

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : **(5X4)**

(क) ई डी आई और बार कोडिंग

(ख) निर्यात घोषणा फार्म्स

(ग) जहाजी माल के बीमा की आवश्यकता

(ङ) निर्यात संवर्धन हेतु सरकारी नीति - निर्धारण तथा परामर्श

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -05/ टी. एम. ए. / 2019 - 20**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए I

1. इन शब्दों की व्याख्या करें (i) स्टॉक का उच्चतम स्तर, (ii) निम्नतम स्तर और (iii) पुन: ऑर्डर स्तर I इन स्तरों के निर्यात करने के दौरान ध्यान रखे जाने वाले मुख्य कारक कौन-कौन से होते हैं ? **(20)**

2. "संगठित क्षेत्र में अंतदेर्शीय परिवहन के विभिन्न प्रकारों में, भारत के परिवहन जाल में रेल परिवहन सबसे महत्वपूर्ण भाग लेती" विवेचन कीजिए I आई. सी. डी / कंटेनर ट्रैफिक के प्रचालन में भारतीय रेल भूमिका की भी व्याख्या कीजिए **(20)**

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में वर्णन कीजिए :
   (क) संयोजनकरण यूनिटलाइजेशन की सबसे अनोखी अवधारणा है।
   (ख) विश्व आर्थिक स्थिति और विश्व व्यापार एक दूसरे से निकटतम संबंधित हैं I
   (ग) लाइन माल आमतौर पर स्थिर रखा जाता है।
   (घ) मैरी टाइम्स धोखाधड़ी आमतौर पर बाहर व्यक्ति द्वारा किया जाता है I **(5X4)**

4. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए I
   (क) अधिभार
   (ख) रोडवेज का गठन
   (ग) माल परिवहन
   (घ) लदान बिल **(5X4)**

5. निम्न लिखित में अन्तर बताइये :
   (क) फ्री इन एंड फ्री ऑउट
   (ख) अन्तर- प्रतिरूप तथा बहु-प्रतिरूप
   (ग) सामान्य कार्गो दर और विशिष्ट कार्गो दर
   (घ) भार टन और गणना टन **(5X4)**

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी. ओ-06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई. बी. ओ-06 / टी. एम. ए. / 2019-20**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **अधिकतम अंक : 100**

1. IMF के मुख्य कार्यों की चर्चा कीजिए । स्वर्ण मानक तथा ब्रैटेन वुड्स प्रणाली की व्याख्या तथा तुलना कीजिए । **(8+12)**

2. (क) भारत में विदेशी विनिमय बाजार की सरंचना की व्याख्या कीजिए ?
   (ख) भारत में विदेशी विनिमय बाजार के विकास का आंकलन कीजिए ? **(10+10)**

3. (क) बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा विदेशी विनिमय से सम्बंधित जोखिमों की व्याख्या कीजिए ?
   (ख) प्राव्य विपत्रों के लिए मुद्रा बाजार हेज़ के तंत्र की व्याख्या कीजिए ? **(10+10)**

4. (क) पूंजी की लागत और पूंजी सरंचना एक दूसरे से कैसे संबंधित हैं ?
   (ख) बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की पूंजी लागत के निर्धारण के लिए कौन-कौन से कारक घरेलू कम्पनियों से भिन्न हैं ? **(10+10)**

5. (क) प्रति व्यापार से आप क्या समझते हैं ? किन परिस्थितियों में प्रति व्यापार किसी देश के लिए लाभदायक होता है ?
   (ख) साख पत्र वित्तीय प्राव्य पत्र को कैसे सरल बनाते है तर्क दीजिए । **(10+10)**